हिंदी अध्यापक संघ
VICTERS CLASS - 04/10/21
10th Hindi, Work sheet with notes
ठाकुर का कुआं

ക്ലാസ് കാണുന്നതിന് ഇവിടെ ക്ലിക്ക് ചെയ്യൂ.....

1, संगोष्ठी चलाएँ।
'जाति-प्रथा एक अभिशाप है'विषय पर आलेख तैयार करें और संगोष्ठी चलाएँ।

उत्तर:

जाति-प्रथा

प्राचीन भारत में जाति-प्रथा हिंदू समाज का एक रिवाज़ था। इसपर दृष्टि डालने से ज्ञात होता है कि इस प्रथा का लोगों के सामाजिक और आर्थिक जीवन पर गहरा प्रभाव रहा है।

जाति-प्रथा का प्रचलन केवल भारत में ही नहीं, बल्कि मिश्र, और यूरोपीय आदि देशों में भी विद्यमान था। स्वतंत्रता के पहले केरल में जाति-प्रथा प्रचलित थी। उच्च वर्ग और निम्न वर्ग जैसे भेद लोगों के बीच समस्याएँ उत्पन्न करके आगे बढ़ते थे।

राजनैतिक मत के अनुसार जाति-प्रथा उच्च श्रेणी के लोगों की चाल थी। इसके अनुसार श्रमिक वर्ग के लोग निम्न वर्ग में आए। सभ्यता के विकास में छुआछूत ने बाधा डाली थी। लंबे समय तक • भारत में इसी प्रकार की कुरीतियाँ चल रही थीं।

शिक्षा के प्रचार से यह सामाजिक बुराई दूर हो रही है। सदियों से शोषित जाति के लोगों के उत्थान के लिए अब सरकार उच्च स्तर पर कार्य कर रही है। संविधान द्वारा उनको विशेष अधिकार दिये गये हैं।

आज की पीढ़ी का कर्तव्य जाति-व्यवस्था को समाप्त करना है, क्योंकि इसके कारण समाज में असमानता एकाधिकार, विद्वेष आदि बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं। हमारे संविधान के अनुसार हम सबका समान अधिकार है। इसके अनुसार आगे बढ़ें तो हम उन्नति के शिखर पर जल्दी ही पहुँच सकते हैं।

2, 'जाति -प्रथा बड़ा अभिशाप है' विषय पर पोस्टर तैयार करें।

उत्तर:

मानव-मानव समान ! उसमें जाति-भेद क्यों? जाति-प्रथा अभिशाप है उसे न मानें !

3, 'गंगी दबे पाँव कुएँ की जगत पर चढ़ी, विजय का ऐसा अनुभव उसे पहले न हुआ था।' गंगी को ऐसा अनुभव क्यों हुआ होगा ?
उत्तर: गंगी एक निम्न वर्ग की औरत है। वह गरीबी में रहती हैं। उच्च वर्ग के लोग निम्न वर्ग के लोगों को निंदा की दृष्टि से देखते हैं और व्यवहार करते हैं। गंगी का जीवन हमेशा दुःख और ददों से गुज़रता था। हर बात में पराजय भी आती थी। विजय का अनुभव मिलने के लिए साहस की ज़रूरत थी। जिसका उसके जीवन में अभाव था।

HW

सही मिलान करें...	
किसीकी आहट सुनकर	कि उन्हें आराम का अवसर नहीं।
गाँव की दो स्त्रियाँ	सोने जा रहे थे।
स्त्रियाँ कह रही थीं	कुएँ की जगत पर चढ़ी।
ठाकुर दरवाज़ा बंद करके	गंगी भयभीत हो गई।
गंगी पानी लेने के लिए दबे पाँव	पानी लेने आई थीं।

झुककर चलना – കുനിഞ്ഞ് നടക്കുക

वृक्ष के अंधेरे साये में – മരത്തിന്റെ ഇരുണ്ട മറവിൽ

महीनों लहू थूकता रहा– മാസങ്ങളോളം രക്തം തുപ്പിക്കൊണ്ടിരിക്കുക

बेगार – बिना मज़दूरी का काम, കൂലിയില്ലാ വേല

हुक्म – आज्ञा, command, order ആജ്ഞ

ताज़ा पानी – fresh water, പുതിയ വെള്ളം

मरद – मर्द, पुरुष

जलन – ईर्ष्या, jealousy, അസൂയ

कलसिया – छोटा घड़ा, small pot

लौंडियाँ – नौकरानियाँ, servants, ദാസിമാർ

छीन–छपटकर – പിടിച്ചുപറിച്ച്

लजाना – लज्जित करना, നാണിപ്പിക്കുക

दीदी – बड़ी बहन, ചേച്ചി

छिन भर आरामकर – क्षण भर विश्राम करके, ക്ഷണനേരം വിശ്രമിച്ച്

जी तरसकर रहना – മനസ്സ് വെമ്പൽകൊണ്ടിരിക്കുക

एहसान मानना – to be thankful, നന്ദികാണിക്കുക

मुँह सीधा होना – മുഖം നേരെയാക്കുക, മുഖം സംതൃപ്തമാകുക

कुएँ की जगत – platform of the well

बेफिक्रे – निश्चिंत, carefree

आँगन – courtyard of house, മുറ്റം

क्षणिक सुख – താൽക്കാലിക സുഖം